लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 26.11.2019 पृष्ठ सं 15 कॉलम 4-6

प्रौद्योगिकी के शोधन के लिए अनुसंधान गतिविधियों पर ध्यान दें परीक्षण केंद्र : प्रो . केपी सिंह

एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि अन्य अधिकारियों के साथ। • विज्ञप्ति

कृषि मशीनरी परीक्षण केंद्रों की राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थापना की स्वर्ण जयंती समारोह के हिस्से के रूप में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली के अधिकृत कृषि मशीनरी परीक्षण केंद्रों की एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर संयुक्त सचिव (मशीनीकरण और प्रौद्योगिकी), कृषि भवन, नई दिल्ली अश्वनी कुमार मुख्य अतिथि रहे। जबकि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने कार्यशाला की अध्यक्षता की। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रो. साहब सोखनसंज विशिष्ठ अतिथि रहे। मुख्य अतिथि अश्वनी कुमार ने किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि मशीनरी सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने फसल अवशेष प्रबंधन से निपटने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर बायोमास नीति बनाने पर जोर दिया।

विवि के कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि परीक्षण केंद्रों को प्रौद्योगिकी के शोधन के लिए अनुसंधान गतिविधियों पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मशीनरी का परीक्षण एक बहुत ही पवित्र गतिविधि है जिसे पूरी ईमानदारी और दृढ़ संकल्प के साथ करने की आवश्यकता है। प्रो. साहब सोखनसंज ने कनाडा में उपलब्ध गुणवत्ता मानकों के बारे में बताया। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत ने अनुसंधान कार्यों में की जाने वाली गतिविधियों पर प्रकाश डाला। कृषि अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. आरके झोरड़ ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया और कॉलेज में होने वाली गतिविधियों के बारे में अवगत कराया। हकृवि के टेस्टिंग सेंटर के इंचार्ज और आयोजन सचिव डा. मुकेश जैन, ने इस कार्यशाला में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया तथा बताया कि कार्यशाला में पूरे भारत से लगभग 100 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक ट्रिब्यून
दिनांक 26.11.2019 पृष्ठ सं 5 कॉलम 1-4

कृषि मशीनरी परीक्षण केंद्रों की राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन

फसल अवशेष प्रबंधन के लिए बॉयोमास नीति बनाने पर जोर

हिसार, 25 नवंबर (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना स्वर्ण जयंती समारोह के रूप में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय नई दिल्ली के अधिकृत कृषि मशीनरी परीक्षण केंद्रों की एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें संयुक्त सचिव (मशीनीकरण और प्रौद्योगिकी) कृषि भवन नई दिल्ली से अश्विनी कुमार मुख्य अतिथि थे, कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कार्यशाला की अध्यक्षता की और कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रो. साहब सोखनसंज विशिष्ट अतिथि थे। अश्विनी ने किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि मशीनरी सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने फसल अवशेष प्रबंधन से निपटने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर बॉयोमास नीति बनाने पर जोर दिया।

हिसार में सोमवार को कृषि मशीनरी परीक्षण केन्द्रों की राष्ट्रीय कार्यशाला में उपस्थित मुख्य अतिथि अश्वनी कुमार व अन्य। -निस

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि परीक्षण केंद्रों को प्रौद्योगिकी के शोधन के लिए अनुसंधान गतिविधियों पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मशीनरी का परीक्षण एक बहुत ही पवित्र गतिविधि है, जिसे पूरी ईमानदारी और दृढ़ संकल्प के साथ करने की आवश्यकता है। कनाडा से प्रो. साहब सोखनसंज ने कनाडा में उपलब्ध गुणवत्ता मानकों के बारे में बताया। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने अनुसंधान कार्यों में की जाने वाली गतिविधियों पर प्रकाश डाला। कृषि अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आरके झोरड़ ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया। कार्यशाला में पूरे भारत से लगभग 100 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 26.11.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-3

प्रौद्योगिकी के शोधन के लिए कृषि मशीनरी परीक्षण केंद्र अनुसंधान गतिविधियों पर ध्यान दें: प्रो.केपी सिंह

कृषि मशीनरी परीक्षण केंद्रों की राष्ट्रीय कार्यशाला में जुटे 100 से अधिक प्रतिनिधि

भास्कर न्यूज | हिसार

कृषि मशीनरी परीक्षण केंद्रों की राष्ट्रीय कार्यशाला में मौजूद अधिकाकीगण।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थापना की स्वर्ण जयंती समारोह के हिस्से के रूप में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय से अधिकृत कृषि मशीनरी परीक्षण केंद्रों की एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला हुई। इसमें बतौर मुख्य अतिथि नई दिल्ली से पहुंचे मंत्रालय के मशीनीकरण एवं प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त सचिव अश्वनी कुमार ने कहा कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि मशीनरी सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने फसल अवशेष प्रबंधन से निपटने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर बायोमास नीति बनाने पर जोर दिया। कार्यशाला की अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने की। विशिष्ट अथिति के तौर पर कनाडा से आए ब्रिटिश कोलंबिया विवि के प्रो. साहब सोखनसंज थे। कार्याशाला में देशभर से आए 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने शिरकत की।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए एचएयू के कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि परीक्षण केंद्रों को प्रौद्योगिकी के शोधन के लिए अनुसंधान गतिविधियों पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मशीनरी का परीक्षण एक बहुत महत्वपूर्ण गतिविधि है जिसे पूरी ईमानदारी और दृढ़ संकल्प के साथ करने की आवश्यकता है। इस दौरान कनाडा से आए प्रो. साहब सोखनसंज ने कनाडा में उपलब्ध गुणवत्ता मानकों के बारे में बताया। विवि के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने अनुसंधान कार्यों में की जाने वाली गतिविधियों पर प्रकाश डाला। कृषि अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आरके झोरड़ ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया और कॉलेज में होने वाली गतिविधियों के बारे में अवगत कराया। एचएयू के टेस्टिंग सेंटर के इंचार्ज और आयोजन सचिव डॉ. मुकेश जैन ने प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक 26.11.2019 पृष्ठ सं 6 कॉलम 3

'परीक्षण केंद्र अनुसंधान गतिविधियों पर दें ध्यान'

हिसार (ब्यूरो)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) स्थापना की स्वर्ण जयंती समारोह के हिस्से के रूप में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली के अधिकृत कृषि मशीनरी परीक्षण केंद्रों की एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर संयुक्त सचिव (मशीनीकरण और प्रौद्योगिकी), कृषि भवन, नई दिल्ली अश्विनी कुमार मुख्य अतिथि थे, जबकि एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कार्यशाला की अध्यक्षता की।

इस मौके पर कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रो. साहब सोखनसंज विशिष्ट अतिथि थे। मुख्य अतिथि अश्वनी कुमार ने किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि मशीनरी सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने फसल अवशेष प्रबंधन से निपटने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर बायोमास नीति बनाने पर जोर दिया। कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि परीक्षण केंद्रों को प्रौद्योगिकी के शोधन के लिए अनुसंधान गतिविधियों पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मशीनरी का परीक्षण एक बहुत ही पवित्र गतिविधि है, जिसे पूरी ईमानदारी और दृढ़ संकल्प के साथ करने की आवश्यकता है। प्रो. साहब सोखनसंज ने कनाडा में उपलब्ध गुणवत्ता मानकों के बारे में बताया। कृषि अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर के झोरड़ ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया और कॉलेज में होने वाली गतिविधियों के बारे में अवगत कराया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक 26.11.2019 पृष्ठ सं 6 कॉलम 5-6

कृषि विज्ञान केंद्रों का उद्देश्य किसान कल्याण और समृद्धि होना चाहिए : डॉ. मेहता

हिसार।
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के वर्ष 2011-2019 के दौरान कार्यों व प्रगति पर चर्चा के लिए तीन दिवसीय क्यूआरटी बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान चेयरमैन डॉ. एसएल मेहता ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) का उद्देश्य किसान कल्याण और समृद्धि होना चाहिए। केन्द्रों का प्रति हेक्टेयर इजाफा वृद्धि करने की जरूरत है। साथ ही नई तकनीक व इनोवेशन को अपने कार्य क्षेत्र व जिले में लाने पर बल देना चाहिए। केन्द्रों को जिले की गुणवत्ता का आईना होना चाहिए। इंटरप्रन्योरशिप की स्टोरी का पूर्ण विस्तार होना चाहिए व अन्य किसानों को तकनीक पहुंचनी चाहिए। प्रत्येक केवीके को तीन-चार गांव चार-पांच साल के लिए एडॉप्ट करके वहां कुछ बदलाव लाकर दिखाना चाहिए। अटारी लुधियाना के डायरेक्टर डॉ. आरएस बराड़ ने कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा मुख्यतः धान की सीधी बिजाई, लेजर लैंड लैवेलर, राया में मरगोजा घास नियंत्रण, सूत्रकृमि प्रबंधन आदि पर किए गए कार्यों को प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि केवीके पर खर्च किए गए एक रुपये से देश को आठ रुपये का फायदा मिलता है। केवीके की गतिविधियां पिछले पांच वर्षों में बड़ी तेजी से बढ़ी है। अटारी जोधपुर के डायरेक्टर डॉ. एसके सिंह ने बताया कि केवीके का मुख्य उद्देश्य विकास परिदृश्य को देख के कार्य करना और युवा व बेरोजगारों के लिए स्वरोजगार प्रदान करने का है। केन्द्र मुख्यतः वाटिका, नारी, आय दुगनी करने जैसे प्रोजेक्ट पर कार्य कर रहे हैं। जोन जोधपुर द्वारा आठ केन्द्रों पर किसानों के बीज उपलब्ध कराने हेतु आठ सीड हब बनाए गए है, जिनके लिए 1.5 करोड़ रुपये दिए गए है। निदेशक विस्तार शिक्षा, डॉ. आरएस हुड्डा ने विश्वविद्यालय की विस्तार गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी
दिनांक 26.11.2019 पृष्ठ सं 4 कॉलम 4-6

कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रभाव पर की परिचर्चा

हिसार, 25 नवम्बर (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्ष 2011-2019 के दौरान कार्यों व प्रगति पर चर्चा हेतु 3 दिवसीय क्यू.आर.टी. बैठक का आयोजन किया गया, जिसके चेयरमैन डा. एस.एल. मेहता थे व बैठक की अध्यक्षता निदेशक विस्तार शिक्षा, डा. आर.एस. हुड्डा ने की। इस बैठक में मैंबर सैक्रेटरी, डा. अरविन्द कुमार, डायरैक्टर अटारी लुधियाना, डा. आर.एस. बराड सदस्य डा. एस प्रभु, डा. रेड्डी, व डा. संतोष राऊत मुख्य रूप से उपस्थित थे। चेयरमैन, डा. मेहता ने कहा कि केंद्रों का उद्देश्य किसान कल्याण और समृद्धि होना चाहिए। केंद्रों का प्रति हैक्टेयर इजाफा वृद्धि करने की जरूरत है, साथ ही नई तकनीक व इनोवेशन को अपने कार्य क्षेत्र व जिले में लाने पर बल देना चाहिए।

क्यू.आर.टी. टीम बैठक करते हुए।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 26:11:2019 पृष्ठ सं 12 कॉलम 3:5

नई तकनीक व आविष्कारों को जिला स्तर पर लेकर आएं कृषि विज्ञान केंद्र : डा . मेहता

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्ष 2011-2019 के दौरान कार्यों व प्रगति पर चर्चा के लिए तीन दिवसीय क्यूआरटी बैठक आयोजित हुई।

इसके चेयरमैन डा. एसएल मेहता व अध्यक्षता निदेशक विस्तार शिक्षा, डा. आरएस हुड्डा ने की। इस बैठक में मेंबर सेक्रेटरी, डा. अरविन्द कुमार, डायरेक्टर अटारी लुधियाना डा. आरएस बराड़ सदस्य डा. एस प्रभु, डा. रेड्डी, व डा. संतोष राउत मुख्य रूप से उपस्थित रहे। चेयरमैन, डा. मेहता ने कहा कि केंद्रों का उद्देश्य किसान कल्याण और समृद्धि होना चाहिए। केंद्रों का प्रति हेक्टेयर वृद्धि करने की जरूरत है। साथ ही नई तकनीक व इन्नोवेशन को अपने कार्य क्षेत्र व जिले में लाने पर बल देना चाहिए। केंद्रों को जिले की गुणवत्ता का आइना होना चाहिए। अंत्रप्रन्योरशिप की स्टोरी का पूर्ण विस्तार होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अन्य किसानों को तकनीक पहुंचनी चाहिए। प्रत्येक केवीके को तीन-चार गांव चार-पांच साल के लिए अंगीकृत करके वहां कुछ इम्पेक्ट दिखाना चाहिए। निदेशक विस्तार शिक्षा, डा. आरएस हुड्डा ने विवि की विस्तार गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एचएयू के 19 केवीके, एनडीआरआइ का 1 व एनजीओ के 3 केवीके सहित कुल 23 केवीके भाग ले रहे हैं।

क्यूआरटी टीम बैठक करते हुए। • विज्ञप्ति

केवीके के माध्यम से किसानों की हुई तरक्की

लुधियाना स्थित अटारी में निदेशक डा . आरएस बराड़ ने कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा मुख्यत : धान की सीधी बिजाई, लेजर लैंड लैवेलर, राया में मरगोजा घास नियंत्रण, सूत्रकृमि प्रबंधन आदि पर किए गए कार्यों को प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि केवीके पर खर्च किए गए एक रुपये से आठ रुपये का देश को फायदा मिलता है। केवीके की गतिविधियां पिछले पांच वर्षों में बड़ी तेजी से बढ़ी है।

जोधपुर में बीज उपलब्धता के लिए बनाए आठ केंद्र

जोधपुर स्थित अटारी के डायरेक्टर डा . एसके सिंह ने बताया कि केवीके का मुख्य उद्देश्य विकास परिदृश्य को देख के कार्य करना तथा युवा व बेरोजगारों के लिए स्वरोजगार प्रदान करने का है। केन्द्र मुख्यत : वाटिका, नारी, आय दुगनी करने जैसे प्रोजेक्ट पर कार्य कर रहे हैं। जोन जोधपुर द्वारा आठ केन्द्रों पर किसानों के बीज उपलब्ध कराने के लिए आठ सीड हब बनाए गए हैं जिनके लिए 1.5 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 26.11.2019 पृष्ठ सं 3 कॉलम 6.8

हर कृषि विज्ञान केन्द्र पांच साल के लिए चार गांवों को गोद लेकर इम्पैक्ट दिखाएं : डॉ. मेहता

एचएयू में क्यूआरटी बैठक में कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रभाव पर हुआ मंथन, बदलाव के निर्देश दिए

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्ष 2011-2019 के दौरान कार्यों व प्रगति पर चर्चा के लिए तीन दिवसीय क्यूआरटी बैठक का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता निदेशक विस्तार शिक्षा डॉ. आरएस हुड्डा ने की। चेयरमैन डॉ. मेहता ने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्रों का उद्देश्य किसान कल्याण और समृद्धि होना चाहिए। केन्द्रों का प्रति हेक्टेयर इजाफा वृद्धि करने की जरूरत है। साथ ही नई तकनीक व इनोवेशन को अपने कार्य क्षेत्र व जिले में लाने पर बल देना चाहिए। केन्द्रों को जिले की गुणवत्ता का आइना होना चाहिए। इन्टरप्रयोरशिप की स्टोरी का पूर्ण विस्तार होना चाहिए व अन्य किसानों को तकनीक पहुंचनी चाहिए। हर केवीके को तीन-चार गांव चार-पांच साल के लिए अंगीकृत करके वहां कुछ इम्पैक्ट दिखाना चाहिए। डॉ. अरविन्द कुमार, डायरेक्टर अटारी लुधियाना, डॉ. आरएस बराड़ सदस्य डॉ. एस प्रभु, डॉ. रेड्डी, व डॉ. संतोष राउत मुख्य रूप से उपस्थित थे।

एचएयू की 2011 से 2019 के कार्यों व प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित क्यू. आर.टी. टीम ने समीक्षा की।

डायरेक्टर अटारी लुधियाना, डॉ. आरएस बराड़ ने कृषि विज्ञान केन्दों द्वारा मुख्यतः धान की सीधी बिजाई, लेजर लैंड लैवेलर, राया में मरगोजा घास नियंत्रण, सूत्रकृमि प्रबंधन आदि पर किए गए कार्यों को प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि केवीके पर खर्च किए गए एक रुपये से आठ रुपये का देश को फायदा मिलता है। केवीके की गतिविधियां पिछले पांच वर्षों में बड़ी तेजी से बढ़ी है। डायरेक्टर अटारी जोधपुर, डॉ. एसके सिंह ने बताया कि केवीके का मुख्य उद्देश्य विकास परिदृश्य को देख के कार्य करना तथा युवा व बेरोजगारों के लिए स्वरोजगार प्रदान करने का है। केन्द्र मुख्यतः वाटिका, नारी, आय दोगुनी करने जैसे प्रोजेक्ट पर कार्य कर रहे हैं। जोन जोधपुर द्वारा आठ केन्द्रों पर किसानों के बीज उपलब्ध कराने के लिए आठ सीड हब बनाए गए हैं, जिनके लिए 1.5 करोड़ रुपये दिये गए हैं। इसके साथ साथ निदेशक विस्तार शिक्षा, डॉ. आरएस हुड्डा ने विश्वविद्यालय की विस्तार गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एचएयू के 19 केवीके, एनडीआरआई का 1 व एनजीओ के 3 केवीके सहित कुल 23 केवीके हिस्सा ले रहे हैं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........
दिनांक 26.11.2019........ पृष्ठ सं.....6........ कॉलम.....1-6......

राहत• आवेदन का प्रारूप व विवरण सहित वेबसाइट पर मौजूद, 01662-255286, 255287 फोन नंबर पर भी संपर्क कर सकते हैं

एचएयू ने कृषि क्षेत्र में स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने को फीस घटाई, अब 25 हजार नहीं केवल ₹ 500 में कर सकते हैं 20 जनवरी तक आवेदन

भास्कर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने कृषि क्षेत्र में स्टार्ट-अप स्थापित करने वाले किसानों, बेरोजगार युवाओं, उद्यमियों व छात्रों के लिए आवेदन प्रक्रिया दोबारा शुरू कर दी गई है। एचएयू के कुलपति व एबिक सेंटर के अध्यक्ष प्रो. केपी सिंह ने इस आवेदन प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करते हुए इसे और भी सरल कर दिया है।

आवेदक स्टार्ट-अप के लिए आवेदन अब केवल मात्र 500 रुपए देकर कर सकता है जबकि पहले यह फीस 25000 रुपए तक की थी। प्रो. केपी सिंह ने बताया कि हम पूरे देशभर से ऐसे युवा छात्र, किसान, छोटे व बड़े कारोबारी को रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए आमंत्रित करते हैं जो खेती और उससे संबंधित व्यवसाय करना चाहते हो या अपने व्यवसाय को बड़े स्तर पर ले जाना चाहते हो, जिससे उनकी आय दोगुनी व चार गुनी हो सके। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि और कृषि से जुड़े गतिविधियों में किसानों, युवा छात्रों और उद्यमियों के स्टार्ट-अप के लिए तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता के लिए एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना की गई है। इसके तहत कृषि और कृषि क्षेत्र को लेकर कोई भी नया आइडिया या प्रोजेक्ट हो तो उससे संबंधित प्रस्ताव 20 जनवरी तक एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर, गांधी भवन, सीसीएसएचएयू, हिसार व मेल द्वारा एचएयू की मेल पर भेज जा सकते हैं। आवेदन का प्रारूप व विवरण सहित वेबसाइट पर मौजूद है। इसका आइडिया सही होगा उसका पी.एम.आर.सी. के माध्यम से चयन किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए लिए मो. न. 7206734901, 9991689999 व 01662-255286, 255287 पर संपर्क कर सकते हैं।

स्टार्टअप के लिए एचएयू में स्थापित एबिक सेंटर

स्टार्टअप को इन्क्यूबेशन सेंटर में ये मिलेगी सुविधा

स्टार्ट-अप का एबिक में चयन हो जाता है उसे इस इन्क्यूबेशन सेंटर में बैठने के लिए केबिन और व्यवसाय से संबंधित राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मीटिंग करने के लिए कॉन्फ्रेंस हॉल की सुविधा दी जाती है। इन्क्यूबेटी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की कार्यशालाओं का भी प्रयोग कर सकता है। वह एचएयू के मेले व प्रतियोगिताओं में अपने उत्पाद का प्रचार, प्रसार और बेचने के लिए स्टॉल भी लगा सकता है। वह इस सेंटर के माध्यम से मार्केटिंग, काउंसलिंग, इन्फ्रास्ट्रक्चर, नेटवर्किंग, तकनीकी, लाइसेंसिंग, फंडिंग व लोन की सहायता ले सकता है।

30 ने शुरू किया स्टार्टअप, 200 ने किया आवेदन

इस पर नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि अभी तक 200 से ज्यादा आवेदक एबीक में आवेदन कर चुके हैं और 30 आवेदक चयनित होकर एबिक से ट्रेनिंग लेकर अपना स्टार्ट-अप शुरू कर चुके हैं। एबिक के मैनेजर समय-समय पर चयनित स्टार्ट-अप की निगरानी और परियोजना क्षेत्र का दौरा करते रहते हैं और जो भी उनको व्यापार में समस्या आती है उसका भी तुरंत प्रभाव से समाधान किया जाता है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक 26.11.2019 पृष्ठ सं 6 कॉलम 1-5

अब केवल 500 रुपये देकर कर सकते हैं कृषि क्षेत्र में स्टार्टअप के लिए आवेदन : केपी सिंह

20 जनवरी तक मांगे आवेदन, पहले आवेदन फीस थी 25 हजार रुपये तक

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने कृषि क्षेत्र में स्टार्ट अप स्थापित करने वालों किसानों, बेरोजगार युवाओं, उद्यमियों व छात्रों के लिए आवेदन प्रक्रिया दोबारा आरंभ कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति व एबीक सेंटर के अध्यक्ष प्रो. केपी सिंह ने इस आवेदन प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करते हुए इसे और भी सरल कर दिया गया है। आवेदक स्टार्टअप के लिए आवेदन अब केवल 500 रुपये देकर कर सकता है, जबकि पहले यह फीस 25 हजार रुपये तक थी।

प्रो. केपी सिंह ने बताया कि हम पूरे देश भर से ऐसे युवा छात्र, किसान, छोटे व बड़े कारोबारी को रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए आमंत्रित करते हैं, जो खेती और उससे संबंधित व्यवसाय करना चाहते हों या अपने व्यवसाय को बड़े स्तर पर ले जाना चाहते हो, ताकि उनकी आय दोगुनी व चार गुनी हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि और कृषि से जुड़ी गतिविधियों में किसानों, युवा छात्रों और उद्यमियों के स्टार्ट अप के लिए तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता के लिए एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना की गई है। उल्लेखनीय है कि जिस स्टार्ट-अप का एबीक में चयन हो जाता है, उसे इस इन्क्यूबेशन सेंटर में बैठने के लिए केबिन और व्यवसाय से संबंधित राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मीटिंग करने के लिए कॉन्फ्रेंस हॉल की सुविधा दी जाती है।

एचएयू का इन्क्यूबेशन सेंटर। - अमर उजाला

इन्क्यूबेटी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की कार्यशालाओं का भी प्रयोग कर सकता है। वह हकृवि के मेले व प्रतियोगिताओं में अपने उत्पाद का प्रचार, प्रसार और बेचने के लिए स्टॉल भी लगा सकता है। वह इस सेंटर के माध्यम से मार्केटिंग, काउंसिलिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर, नेटवर्किंग, तकनीकी, लाइसेंसिंग, फंडिंग व लोन की सहायता ले सकता है।

200 से अधिक आ चुके हैं आवेदन : नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि अभी तक 200 से ज्यादा आवेदक एबीक में आवेदन कर चुके हैं और 30 आवेदक चयनित होकर एबिक से ट्रेनिंग लेकर अपना स्टार्ट अप शुरू कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि एबिक के मैनेजर समय-समय पर चयनित स्टार्ट-अप की निगरानी और परियोजना क्षेत्र का दौरा करते रहते हैं और जो भी उनको व्यापार में समस्या आती है, उसका भी तुरंत प्रभाव से समाधान किया जाता है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक ट्रिब्यून, पंजाब केसरी
दिनांक 26. 11. 2019 पृष्ठ सं. 4, 4 कॉलम 7-8, 3

कृषि क्षेत्र में स्टार्ट-अप की राह हुई आसान

हिसार (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने कृषि क्षेत्र में स्टार्ट-अप स्थापित करने वाले किसानों, बेरोजगार युवाओं, उद्यमियों व छात्रों के लिए आवेदन प्रक्रिया दोबारा आरंभ कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति व एबीक सेंटर के अध्यक्ष प्रो.केपी सिंह ने इस आवेदन प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करते हुए इसे और भी सरल कर दिया गया है। वीसी ने आवेदक स्टार्ट-अप के लिए आवेदन 25 हजार रुपए से घटाकर मात्र मात्र 500 रुपए करने का ऐलान किया है, जिससे संबंधित को भारी फायदा होगा। प्रो. केपी सिंह ने बताया कि हम पूरे देश भर से ऐसे युवा छात्र, किसान, छोटे व बड़े कारोबारी को रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए आमंत्रित करते हैं, जो खेती और उससे संबंधित व्यवसाय करना चाहते हों या अपने व्यवसाय को बड़े स्तर पर ले जाना चाहते हों। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि और कृषि से जुड़े गतिविधियों में किसानों, युवा छात्रों और उद्यमियों के स्टार्ट-अप के लिए तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण व वित्तिय सहायता के लिए एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना की गई है।

कृषि क्षेत्र में स्टार्टअप की राह हुई आसान, हकृवि ने 20 जनवरी तक मांगे आवेदन

हिसार, 25 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने कृषि क्षेत्र में स्टार्टअप स्थापित करने वाले किसानों, बेरोजगार युवाओं, उद्यमियों व छात्रों के लिए आवेदन प्रक्रिया दोबारा आरंभ कर दी गई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति व एबीक सैंटर के अध्यक्ष प्रो.के.पी. सिंह ने इस आवेदन प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करते हुए इसे और भी सरल कर दिया गया है। आवेदक स्टार्टअप के लिए आवेदन अब केवल मात्र 500 रुपए देकर कर सकता है जबकि पहले यह फीस 25,000 रुपए तक की थी। नोडल अधिकारी डा. सीमा रानी ने बताया कि अभी तक 200 से ज्यादा आवेदक एबीक में आवेदन कर चुके हैं और 30 आवेदक चयनित होकर एबिक से ट्रेनिंग लेकर अपना स्टार्टअप शुरू कर चुके हैं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम नभ छोर
दिनांक 25-11-2019 पृष्ठ सं. 7 कॉलम 1-3

कृषि क्षेत्र में स्टार्ट-अप स्थापित करने वालों से आवेदन आमंत्रित

हिसार/25 नवंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने कृषि क्षेत्र में स्टार्ट-अप स्थापित करने वालों किसानों, बेरीजगार युवाओं, उद्यमियों व छात्रों के लिए आवेदन प्रक्रिया दोबारा आरंभ कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति व एबीक सैंटर के अध्यक्ष प्रो. केपी सिंह ने इस आवेदन प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करते हुए इसे और भी सरल कर दिया गया है। आवेदक स्टार्ट-अप के लिए आवेदन अब केवल मात्र 500 रूपए देकर कर सकता है जबकि पहले यह फीस 25000 रूपए तक की थी। उन्होंने बताया कि पूरे देश भर से ऐसे युवा छात्र, किसान, छोटे व बड़े कारोबारी को रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए आमंत्रित करते हैं जो खेती और उससे संबंधित व्यवसाय करना चाहते हों या अपने व्यवसाय को बड़े स्तर पर ले जाना चाहते हों, जिससे उनकी आय दोगुनी व चार गुनी हो सके। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि और कृषि से जुड़े गतिविधियों में किसानों, युवा छात्रों और उद्यमियों के स्टार्ट-अप के लिए तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता हेतु एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सैंटर की स्थापना की गई है। ज्ञात रहे कि जिस स्टार्ट-अप का एबीक में चयन हो जाता है उसे इस इन्क्यूबेशन सैंटर में बैठने के लिए कैबिन और व्यवसाय से संबंधित राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मीटिंग करने के लिए कॉन्फ्रेंस हॉल की सुविधा दी जाती है। इन्क्यूबेटी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की कार्यशालाओं का भी प्रयोग कर सकता है। वह हकृवि के मेले व प्रतियोगिताओं में अपने उत्पाद का प्रचार, प्रसार और बेचने के लिए स्टॉल भी लगा सकता है। वह इस सैंटर के माध्यम से मार्केटिंग, कांउसलिंग, इन्फ्रास्ट्रक्चर, नेटवर्किंग, तकनीकी, लाइसंसिंग, फंडिंग व लोन की सहायता ले सकता है। नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि अभी तक 200 से ज्यादा आवेदक एबीक में आवेदन कर चुके हैं और 30 आवदेक चयनित होकर एबिक से ट्रेनिंग लेकर अपना स्टार्ट-अप शुरू कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि एबिक के मैनेजर समय-समय पर चयनित स्टार्ट-अप की निगरानी और परियोजना क्षेत्र का दौरा करते रहते हैं और जो भी उनको व्यापार में समस्या आती है उसका भी तुरंत प्रभाव से समाधान किया जाता है। इसके तहत कृषि और कृषि क्षेत्र को लेकर कोई भी नया आइडिया या प्रोजेक्ट हो तो उससे संबंधित प्रस्ताव 20 जनवरी तक एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर, गांधी भवन, सीसीएसएचएयू, हिसार व मेल द्वारा भेजे जा सकते हैं, आवेदन का प्रारूप व विवरण वेबसाइट पर लेटेस्ट न्यूज के अंतर्गत उपलब्ध है। जिसका आइडिया सही होगा उसका पीएमआरसी के माध्यम से चयन किया जाएगा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम सिटी पल्स

दिनांक 25.11.2019 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 1-4

कृषि क्षेत्र में स्टार्ट-अप की राह हुई आसान, एचएयू ने 20 जनवरी तक मांगे आवेदन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने कृषि क्षेत्र में स्टार्ट-अप स्थापित करने वालों किसानों, बेरोजगार युवाओं, उद्यमियों व छात्रों के लिए आवेदन प्रक्रिया दोबारा आरंभ कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति व एबीक सैंटर के अध्यक्ष प्रो.के.पी. सिंह ने इस आवेदन प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करते हुए इसे और भी सरल कर दिया गया है। आवेदक स्टार्ट-अप के लिए आवेदन अब केवल मात्र 500 रूपए देकर कर सकता है जबकि पहले यह फीस 25000 रूपए तक की थी।

प्रो. के.पी. सिंह ने बताया कि हम पूरे देश भर से ऐसे युवा छात्र, किसान, छोटे व बड़े कारोबारों को रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए आमंत्रित करते हैं जो खेती और उससे संबंधित व्यवसाय करना चाहते हो या अपने व्यवसाय को बड़े स्तर पर ले जाना चाहते हो, जिससे उनकी आय दोगुनी व चार गुना हो सके। हरियाणा कृषि

विश्वविद्यालय में कृषि और कृषि से जुड़े गतिविधियों में किसानों, युवा छात्रों और उद्यमियों के स्टार्ट-अप के लिए तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता के लिए एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सैंटर की स्थापना की गई है। ज्ञात रहे कि जिस स्टार्ट-अप का एबीक में चयन हो जाता है उसे इस इन्क्यूबेशन सैंटर में बैठने के लिए कैबिन और व्यवसाय से संबंधित राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय मीटिंग करने के लिए कॉन्फ्रेंस हॉल की सुविधा दी जाती है। इन्क्यूबेटी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की कार्यशालाओं का भी प्रयोग कर सकता है। वह हकृवि के मेले व प्रतियोगिताओं में अपने उत्पाद का प्रचार, प्रसार और बेचने के लिए स्टॉल भी लगा सकता है। वह इस सैंटर के माध्यम से मार्केटिंग, काउंसलिंग, इन्फ्रास्ट्रक्चर, नेटवर्किंग, तकनीकी, लाइसेंसिंग, फंडिंग व लोन की सहायता ले सकता है। इस पर नोडल अधिकारी डॉ. सीमा गर्ग ने बताया कि अभी तक 200 से ज्यादा आवेदक एबीक में आवेदन कर चुके है और 30 आवेदक चयनित होकर एबिक से ट्रेनिंग लेकर अपना स्टार्ट-अप शुरू कर चुके है। उन्होंने बताया कि एबिक के मैनेजर समय-समय पर चयनित स्टार्ट-अप की निगरानी और परियोजना क्षेत्र का दौरा करते रहते है और जो भी इनको व्यापार में समस्या आती है उसका भी तुरंत प्रभाव से समाधान किया जाता है।

इसके तहत कृषि और कृषि क्षेत्र को लेकर कोई भी नया आईडिया या प्रोजेक्ट हो तो उससे संबंधित प्रस्ताव 20 जनवरी तक एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर, गांधी भवन, सीसीएसएचएयू, हिसार व मेल द्वारा abiccchau@gmail.com पर भेजे जा सकते है. आवेदन का प्रारूप व विवरण वेबसाइट www.hau.ac.in पर लेटेस्ट न्यूज के अंतर्गत उपलब्ध है। जिसका आईडिया सही होगा उसका पी.पी.टी. के माध्यम से चयन किया जाएगा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम......अमर उजाला......
दिनांक 26.11.2019...... पृष्ठ सं......6...... कॉलम......1......

संविधान दिवस पर संगोष्ठी आज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में संविधान दिवस के अवसर पर 26 नवंबर को बेसिक साइंस कॉलेज के सभागार में भूमि एवं जल सुधारों में डॉ. बीआर आंबेडकर के योगदान विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। संगोष्ठी में एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह, मुख्य अतिथि होंगे और सीडीएलयू सिरसा के कुलपति प्रो. विजय कायत विशिष्ट अतिथि व मुख्य वक्ता होंगे। इस दौरान बाबा साहेब के भूमि एवं जल के क्षेत्र में सुधार कार्यों के विषय मे प्रतिभागियों को अवगत कराया जाएगा। संगोष्ठी के माध्यम से प्रतिभागी डॉ. बीआर आंबेडकर के राष्ट्र निर्माण के विषय में जान सकेंगे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........नभ छोर........
दिनांक 25.11.2019 ...... पृष्ठ सं....2...... कॉलम...3-4......

संविधान दिवस पर हकृवि में गोष्ठी कल

हिसार/25 नवंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर कल बेसिक साईंस कॉलेज में भूमि एवं जल सुधारों में डॉ. बीआर अम्बेडकर का योगदान विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस संगोष्ठी में कुलपति, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, प्रो. केपी सिंह, मुख्य अतिथि होंगे तथा कुलपति, चौधरी देवी लाल यूनिवर्सिटी, सिरसा, प्रो. विजय कायत, विशिष्ट अतिथि तथा मुख्य वक्ता होंगे। संगोष्ठी में बाबा साहेब के भूमि एवं जल के क्षेत्र में सुधार कार्यों के विषय मे प्रतिभागियों को अवगत कराया जाएगा। संगोष्ठी के माध्यम से प्रतिभागी डॉ. बीआर अम्बेडकर के राष्ट्र निर्माण के विषय में जान सकेंगे।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम नित्य शक्ति टाइम्स, सिटी पल्स

दिनांक 25.11.2019 पृष्ठ सं. 3, 2 कॉलम 1-2, 1-2

भूमि एवं जल सुधारों में डॉ. बीआर अंबेडकर का योगदान विषय पर संगोष्ठी कल

हिसार, 25 नवम्बर (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर 26 नंवम्बर को भूमि एवं जल सुधारों में डॉ. बीआर अंबेडकर का योगदान विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस संगोष्ठी में कुलपति हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, प्रो. कंपी सिंह, मुख्य अतिथि होंगें तथा कुलपति, चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी, सिरसा, प्रो. विजय कायत, विशिष्ट अतिथि तथा मुख्य वक्ता होंगे। संगोष्ठी में बाबा साहेब के भूमि एवं जल के क्षेत्र में सुधार कार्यों के विषय में प्रतिभागियों को अवगत कराया जाएगा। संगोष्ठी के माध्यम से प्रतिभागी डॉ. बीआर अम्बेडकर के राष्ट्र निर्माण के विषय मे विस्तार से जान सकेंगे। यह प्रोग्राम 26 नंवम्बर को सांय 4 बजे बेसिक साईस के सभागार मे आयोजित किया जाएगा।

'भूमि एवं जल सुधारों में डॉ. बीआर अम्बेडकर का योगदान' विषय पर संगोष्ठी कल एचएयू में

26 नवम्बर को सायं 4 बजे बेसिक साईंस के सभागार मे किया जाएगा आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर 26 नवम्बर को भूमि एवं जल सुधारो में डॉ. बीआर अम्बेडकर का योगदान विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस संगोष्ठी में कुलपति, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि होंगें तथा कुलपति, चौधरी देवी लाल यूनिवर्सिटी, सिरसा, प्रो. विजय कायत, विशिष्ट अतिथि तथा मुख्य वक्ता होंगे। संगोष्ठी में बाबा साहेब के भूमि एवं जल के क्षेत्र में सुधार कार्यों के विषय मे प्रतिभागियों को अवगत कराया जाएगा। संगोष्ठी के माध्यम से प्रतिभागी डॉ. बीआर अम्बेडकर के राष्ट्र निर्माण के विषय मे विस्तार से जान सकेंगे। यह प्रोग्राम 26 नवम्बर को सांय 4 बजे बेसिक साईस के सभागार मे आयोजित किया जाएगा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 26.11.2019 पृष्ठ सं 12 कॉलम 1

सरसों की नई प्रजाति आरएच 725 दे सकती है रिकार्ड पैदावार

जासं, हिसार : पिछले वर्ष एचएयू में विकसित सरसों की नई किस्म आरएच 725 अधिक उपज के कारण किसानों के लिए बहुत लाभदायक हो सकती है। चुनिंदा किसानों के खेतों में अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन परीक्षण भी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने किया जिसमें अच्छी परिणाम आए। इन प्रशिक्षणों में इस किस्म का बहुत संतोषजनक परिणाम रहा है।

गांव कैमरी के किसान मांगेराम जिनके खेत में भी इस नई प्रजाति का परीक्षण किया जा रहा है। गत वर्ष भी उसने आरएच 725 का परीक्षण किया था और इस प्रजाति ने 35 मण प्रति एकड़ से अधिक उपज दी थी। इस बार के परीक्षण से भी वह बहुत उत्साहित है। किसान ने बताया कि इस बार मौसम अच्छा साथ दे रहा है और फसल की स्थिति भी बहुत अच्छी है उसे इस बार इस प्रजाति की 40 मण प्रति एकड़ उपज का अनुमान है। किसानों बोले कि इस बार धूम मचा सती है एचएयू के 725 किस्म। हिसार जिले के ही एक अन्य गांव गंगवा के किसान कृष्ण कुमार ने भी बताया कि उनके परीक्षण खेत में भी यह किस्म 40 मण प्रति एकड़ का आंकड़ा पार कर सकती है।